Online Teaching Information For students during lockdown period by Teachers. (J.K.P.P.G. College)

- Name of Department - Political Science,
- Name of the Teacher - Dr. Manjusha Rani.
- Name of the online learning techniques (multiple option can be used)

(A) - E - lecture.
(B) - Hand Written Notes - 01
(C) - Voice message - 02
(D) - Link provided -
(E) - Others - 01 (Whatsapp lecture) 01 (PDF)

- Percentage of Syllabus -

(A) Completed through offline mode before lockdown period - 90%
(B) Completed through online mode during lockdown period - 06%
(C) Remaining to be completed through online mode during lockdown period on Assignment and tutorials provided -

(A) No. of Assignments and tutorials provided to students - 86
(B) Completed Assignments reported to the teacher - 50
(C) Completed Assignments awaited from the students - 36

- Average number of students participated in online classes per day from the inception till 21.04.2020 - 50%
- Declaration - I, Hereby declare that all above information provided by me are true and I have all evedence in support of this and I will make available as required by the

Manjusha.

Teacher Signature

Online Teaching Information For students during lockdown period by Teachers. (J.K.P.P.G. College)

- Name of Department - Political Science.
- Name of the Teacher - Dr. Manjusha Rani.
- Name of the online learning techniques (multiple option can be used)

(A) - E - lecture.
(B) - Hand Written Notes - 01
(C) - Voice message - 02
(D) - link provided -
(E) - Others - 01 (Whatsapp lecture) 01 (PDF)

- Percentage of Syllabus -

(A) Completed through offline mode before lockdown period - 90%
(B) Completed through online mode during lockdown period - 06%
(C) Remaining to be completed through online mode during lockdown period -
Assignment and tutorials provided -

(A) No. of Assignments and tutorials provided to students - 86
(B) Completed Assignments reported to the teacher - 50
(C) Completed Assignments awaited from the students - 36

- Average number of students participated in online classes per day from the inception till 21.04.2020 - 50%
- Declaration - I, Hereby declare that all above information provided by me are true and I have all evidence in support of this and I will make available as required by the

Manjusha

Teacher Signature

9897014984

बी०एस०एम० औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

ग्राम– बागडपुर पोस्ट– गढमुक्तेश्वर जिला गाजियाबाद

पत्रांक ....

संघ राज्य और अन्तर्राज्यीय सम्बन्ध

भारतीय संविधान के अनु० 1 में कहा गया है कि "भारत राज्यों का एक संघ" है।

डॉ० माहेश्वरी– का यह कथन सत्य है कि "केन्द्र-राज्य सहयोग के क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी परिषद् की स्थापना प्रशासनिक दृष्टि से भारत में अद्वितीय सुधार कहे जा सकते हैं।" इस विषय का अध्ययन हम निम्नलिखित शीर्षकों में करेंगे।

1 - ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
2 - परिषद् की संरचना
3 - परिषद् के कार्य
4 - परिषद् का क्रियान्वयन

1 — <u>ऐतिहासिक पृष्ठभूमि</u> → उत्तरपूर्वी क्षेत्र में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा राज्य के मिलने से केन्द्र के सम्मुख एक नयी समस्या आ गयी। ये सभी राज्य मिलकर एक लघु भारत का निर्माण करते हैं। क्योंकि यहाँ पर विभिन्न जाति, धर्म वर्ग, वंश के लोग रहते हैं। इसमें अधिकांश निवासी जनजाति के हैं।

<u>परिषद की संरचना</u> → केन्द्र सरकार ने सहयोग और समन्वय की नीति स्थापित करने के लिए उत्तर-पूर्वी परिषद की स्थापना की थी। उत्तरपूर्वी परिषद की स्थापना दिसम्बर, 1971 में हुई थी। परिषद में निम्नलिखित सदस्य होंगे— सात राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री, क्षेत्र के केन्द्रीय मन्त्री प्रत्येक राज्य का एक मन्त्री परिषद के सदस्य होते हैं।

9707019709

बी०एस०एम० औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

ग्राम- बागडपुर पोस्ट- गढमुक्तेश्वर जिला गाजियाबाद

पत्रांक .... दिनांक ....

को है। नदियों को कोई राज्यीय या अन्तर्राज्यीय सीमा नहीं होती है। कुछ नदियां जैसे- कावेरी नदी कर्नाटक तथा तमिलनाडु से होती हुई गुजरती है। नर्मदा नदी, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों से होकर गुजरती है। संसद ने सम्बन्धित राज्य बिहार और पश्चिमी बंगाल की स्वीकृति के आधार पर 1950 में दामोदर नदी वैली निगम की स्थापना की। सरकार ने विभिन्न प्रयास किये तथा इसमें सरकार ने नियन्त्रण बोर्ड की स्थापना करने का निर्णय लिया। कोसी नियन्त्रण बोर्ड और नागार्जुन नियन्त्रण बोर्ड इसके उदाहरण है। नियन्त्रण बोर्ड के सम्बन्ध में दूसरी बात ध्यान रखने योग्य है कि यद्यपि उनके कार्य समान हैं, किन्तु "कर्मचारी भर्ती-स्वरूप और सत्ता-संरचना में पर्याप्त अन्तर होता है। एक नियन्त्रण बोर्ड का राज्यपाल दूसरे का केन्द्रीय मन्त्री, तीसरे का राज्यमन्त्री, कुछ के मुख्यमन्त्री, सभापति होते है। नियन्त्रण बोर्ड के कार्य निम्न प्रकार है -

1- परियोजनाओ को स्वीकृति प्रदान करना तथा उनकी प्रगति की समीक्षा कर
2- क्रियान्वित करने वाली सत्ता को प्रदत्त अधिकार देने की अनुशंसा करना।
3- ऐसे सौदों की जानकारी देना जो लागत की दृष्टि से मुख्य अभियन्ता के अधिकृत सत्ता में न आते हो।
4- परियोजना से प्रभावित लोगो को विस्थापित करने की व्यवस्था करना।।

अन्तर्राज्यीय जल-विवाद →